अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । 2) बाकी प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल करें । 3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे । 4) सभी प्रश्नों के गुण समान है ।

प्र. 1 **लिपिबद्ध करें। (कोई तीन)** (5 X 3 = 15)

1. तीनताल में बेदम तिहाई।
2. धमार ताल में फरमाईश चक्रदार परण।
3. झपताल में कवित्त।
4. झपताल में चक्रदार परण।
5. धमार में तिपल्ली।

प्र. 2 **अ) रिक्त स्थानों की पूर्तता करें।** (10)

1. ---------- नृत्य पुरुषप्रधान नृत्य है।
2. भरतनाट्यम् नृत्य प्राचीन काल में सिर्फ ---------- द्वारा प्रस्तुत होता था।
3. स्थायी भाव ---------- प्रकार के हैं।
4. करुण रस का स्थायी भाव ---------- है।
5. क्षमाशील, विनयशील यह स्वभाव ---------- नायक का है।
6. भगवान श्रीकृष्ण जी ---------- नायक का उत्तम उदाहरण है।
7. नायक के प्रेम-अपराध की वजह से जो क्षुब्ध होती है वह ---------- नायिका है।
8. संकीर्ण जाती में ---------- मात्राएँ होती है।
9. क्रिया के ---------- और ---------- प्रकार हैं।

ब) सिर्फ नाम बताइए। (5)

1. नदी के प्रवाह जैसी चलनेवाली लय
2. समाज की पर्वा न करते हुए संकेतस्थल पर नायक से मिलनेवाली नायिका -
3. दशावतार में अंत का अवतार - (दसवा अवतार)

4. इस नृत्यप्रकार में अधिकतम रासलीला का प्रदर्शन होता है –
5. इसरस का स्थायी भाव जुगुप्सा है –

प्र. 3 सही या गलत बताइए। **(15)**

1. ताल के प्राणों की संख्या आठ (8) है।
2. दशावतार में दूसरा अवतार वराह अवतार है।
3. अद्‌भुत रस का स्थायी भाव भय है।
4. वीर रस के चार भेद माने जाते हैं।
5. नरसिंह अवतार की मुद्रा बनाते समय दोनों हाथ की कटकामुख मुद्रा दिखायी जाती है।
6. घमंडी नायक धीरोदात्त नायक है।
7. सात मात्राओं वाली जाती मिश्र जाती है।
8. 'प्रेमी संकेतस्थल पर मिलने के बुलाता है लेकिन खुद आता नहीं' यह वर्णन विप्रलब्धा नायिका का है।
9. चींटी की चाल के जैसी लय स्रोतावहा यती है।
10. वराह अवतार में श्री विष्णू जी ने हिरण्याक्ष राक्षस का वध किया।
11. कूर्म अवतार में समुद्र मंथन करते समय गोवर्धन पर्वत डूबने लगा था।
12. स्थायी भाव नौ (9) प्रकार के हैं।
13. कालिया–दमन रौद्र रस का उदाहरण है।
14. रावण, दुर्योधन यह धीरोद्‌धत नायक है।
15. भरतनाट्यम् नृत्य में हिंदुस्थानी संगीत का प्रयोग होता है।

प्र. 4 अ) संख्या बताइए । **(10)**

1. ताल के प्राण –
2. नायक भेद –
3. तिपल्ली में रचना की लय–
4. ताल गजझंपा की मात्राएँ–
5. हास्य रस के प्रकार–
6. जाती–
7. यति भेद–
8. श्री विष्णु जी के अवतार–
9. खंड जाती की मात्राएँ–
10. ताल–अंग–

ब) **जोडीयाँ जमाइए।** **(5)**

1. बाँट, चलन का विस्तार	1) धीरप्रशांत
2. गाय की पूँछ	2) प्रोषितपतिका
3. अष्टनायिका	3) तीश्र जाती
4. नायक भेद	4) गोपूच्छा
5. धात्रक धिकिट	5) प्रस्तार

प्र. 5 **जानकारी दें।** **(15)**

1. मणिपूरी नृत्य की वेशभूषा तथा वाद्यों के नाम। **(2)**
2. मत्स्य अवतार की मुद्रा का वर्णन। **(2)**
3. ताल धमार की ताली या खाली। **(2)**
4. हास्य रस और शांत रस के स्थायी भाव। **(2)**
5. समा और गोपूच्छा यति की लय। **(2)**
6. कथकली नृत्य की वेशभूषा तथा वाद्यों के नाम। **(2)**
7. कूर्म अवतार में समुद्र मंथन कथा में सें पर्वत और सर्प का नाम। **(2)**
8. धीरप्रशांत नायक का उदाहरण। (केवल एक) **(1)**

प्र. 6 **अ) नवरस की जानकारी देते हुए सभी नवरसों के नाम उनके स्थायी भावों सहित लिखें।** **(10)**

ब) **भयानक रस और अद्‌भुत रस का वर्णन सोदाहरण करें।** **(5)**

प्र. 7 **टीप्पणी लिखें।** **(5 X 3 = 15)**

1. भरतनाट्यम् नृत्यशैली की संपूर्ण जानकारी दें।
2. ताल के दस प्राणों में से किन्हीं दो प्राणों का विस्तृत वर्णन करें।
3. वराह अवतार की कथा तथा उसकी मुद्रा लिखें।

प्र. 8 **नाट्य की उत्पत्ती, नाट्य का प्रयोग तथा नाट्य का प्रयोजन के बारे में विस्तृत में समझाइए।** **(15)**